

# बेटा शराबी और नेक माँ का वाक्या | By Waheed Nizami

तुमको सुना रहा हूँ .....  
तुमको सुना रहा हूँ सुनो ध्यान से जरा  
बेटा शराबी और नेक माँ का है वाक्या

इस दौर के समाज की घटना है ये सच्ची  
होते ही रहते हादसे हैं ऐसे आज भी  
माँ और उसका बेटा वो रहते थे साथ साथ  
बेटा शराब पी के जो आता था आधी रात  
माँ उसकी बेवा उसका ना दुनिया में पति था  
बीमार बहुत दिन से था दुनिया से चल बसा  
थी माँ अकेली एक ही तो उसका बेटा था  
बेटे को लाड प्यार में उसने बिगाड़ा था  
आता शराब पी के अपनी माँ को डांटता  
कहती जो माँ तो माँ को ही बेटा वो मारता

खाना जो रखती सामने खाने को फेंकता  
सारा ज़माना बेटे पे लानत था भेजता  
लेकिन वो माँ थी सब्र का दामन ना छोड़ती  
पढ़ती नमाज और दुआ रब से मांगती  
या रब मेरे बेटे को तू बस नेक बना दे  
या रब मेरे बेटे से तू शराब छुड़ा दे  
मैं माँ हूँ मेरी सुनले मेरे दिल की गुहार है  
सुनता है तू ही बन्दों को बेशक पुकार है  
पीता शराब और जुआ भी है खेलता  
दिन भर कमा के शाम जुआ में वो हारता

माँ उससे जब भी पूछती पैसे कहाँ गए  
गाली गलौज करता वो कहता भला बुरा  
बेटे का ज़ुल्म सेहती वो हिम्मत ना हारती  
सजदे में जाके अपने वो रब को पुकारती  
माँ को बड़ा यकीन था रंग लाएँगी दुआ  
तू है बड़ा करीम तेरा मुझको आसरा  
एक बार ज़िन्दगी में हुआ ऐसा हादसा  
बेटा सुबह से देखो किसी काम पर गया  
लौटा ना उसका बेटा तो हैरान हो गई  
ढलने लगी थी रात परेशान हो गई

गुज़री जो आधी रात तो बेटा नहीं आया  
घबराई माँ आँखों में अँधेरा सा छा गया  
इतने में एक अजनबी दरवाज़े पर आया  
दुर्घटना की खबर वो अपने साथ में लाया  
पीकर शराब बेटा सड़क पर पड़ा मिला  
देखो लहू लुहान वो ज़ख्मो से चूर था  
हाथो में और पैरो में तो चोट आई थी  
टकरा गया ट्रक से बहुत चोट खाई थी  
मैंने तो अस्पताल में एडमिट कराया है  
घटना जो हो गई है तुमको बताया है

ये सुनके माँ तो देखो बड़ी बदहवास थी  
रोने लगी वो सुनके बहुत वो उदास थी  
बेटे को बचा ले मेरी मुश्किल कुशाई कर  
एक माँ की ये दुआ है मेरी रहनुमाई कर  
बेटे की देख रेख वो करती थी ध्यान से  
बेटे को चाहती थी बहुत दिल से जान से  
हफ्तों महीने बीत गए अच्छा हो गया  
वो बेटा अस्पताल से फिर घर पे आ गया  
माँ की मोहब्बतों का असर बेटे पे हुआ  
उसने जुए शराब से फिर तौबा कर लिया

वो तो बुरे माहौल से बाहर निकल गया  
पत्थर का दिल था मोम की तरह पिघल गया  
माँ और बेटा दोनों तो खुशहाल हो गए  
रब के करम से दोनों मालामाल हो गए  
चेहरा तुम अपनी सारी बुराई से मोड़ दो  
ये वाक्या है तुम बुरी सांगत को छोड़ दो  
दुनिया में बुरे काम का अंजाम बुरा है  
माँ बाप की सेवा करो संदेस मेरा है  
तरिक ये नसीहत है सुनाने के वास्ते  
ये नौजवान सारे ज़माने के वास्ते

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%9f%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a5%80-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%95-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b5%e0%a4%be/>